सं0-75/XXVIII-4-2006-07/2006

प्रेषक,

अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल देहरादून

चिकित्सा अनुभाग-4 देहरादून: दिनांक : 25 मार्च, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में सामु0स्वा0केन्द्र कीर्तिनगर जनपद टिहरी के भवन निर्माण की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-7प/1/सी0एच0सी0/45/2005/3496 दिनांक 30.01.2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय सामु0स्वा0केन्द्र कीर्तिनगर जनपद टिहरी के आवासीय तथा अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु क्रमशः रु0 91,71,000.00 तथा रु0 1,15,48,000.00 इस प्रकार कुल रु0 2,07,19,000.00(रु0 दो करोड़ सात लाख उन्नीस हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों के व्ययवर्तन द्वारा रु0 30,00,000.00(रु0 तीस लाख मात्र)की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

1- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।

2- कार्य कराते समय लो0 नि0 विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।

3- भूमि उपलब्ध होने के पश्चात ही धनराशि आहरण आदेश की जायेगी तथा तत्पश्चात निर्माण इकाई परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित वाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

5- आगणन में उल्लिखित दरों का सम्बन्धित विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों में जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हैं, को स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

6-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

8- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।

शासनादेश सं0-75/XXVIII-4-2006-07/2006 दिनांक 25.7.2006 का संलग्नक

प्रशासनिक विभाग चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (वित्तीय वर्ष 2005-06)

प्रपत्र - 158 अनुदान संख्या-12

बी0एम0-15

नियंत्रक अधिकारी : महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल देहरादून ।

पुर्नविनियोजन का आदेश पत्र (हजार रुपये में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण (मानक मद)	मानक मद्वार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (बचत) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि को स्थानान्तरित किया जाना है (मानक मद)	पुर्नविनियोजन के बाद के स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुर्नविनियोजन के बाद अवशेष धनराशि (1-5)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत				4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत			(क) बचतान्तर्गत धनराशि की आवश्यकता न पड़ने के कारण । (ख) बजट प्राविधान पर्याप्त न होने के कारण ।
01-शहरी स्वास्थ्य सेवायें				02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें			
110-अस्पताल तथा औषधालय				104-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र			
10-नये जनपद बागेश्वर चम्पावत तथा रूद्रप्रयाग में जिला चिकित्सालय का निर्माण				03-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना			
24-वृहत निर्माण कार्य-30000	3937.50	16000	10062.50 (क)	02-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण(विस्तार अंश)			
				24-वृहत निर्माण कार्य-3000 (ख)	47000	27000	
योग- 30000	3937.50	16000	10062.50	3000	47000	27000	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुर्नविनियोजन में बजट मैनुअल के परिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित प्रक्रियाओं एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है ।

(अतर सिंह)
उप सचिव